

धातुत्र विचरुः (क्याः) ARG. 7, 8, 10, 37. इन्द्रियाणां विचरतां विषयेष्वप-  
हारिषु M. 2, 88. सर्वभूतानां भावे विचरता शुभे (vom Liebesgott) HIR. 4,  
32. विचरित n. das Herumstreichen, Umherirren: वने N. 24, 44. — 5) *durchschreiten, durchstreichen, durchwandern, durchlaufen; eindrin-  
gen, durchdringen*; mit dem acc.: पुरो विभिन्दन् चरद्दि दासीः RV. 1, 103,  
3. ऋतस्य सन्न वि चरामि विद्वान् 3, 33, 14. द्यावापृथिवी वि चरति तन्यवः  
5, 63, 2. 5. 9, 68, 4. 10, 140, 2. विचरति यदि मार्गं चोत्तरं मेदिनीजः VARAH.  
BRH. S. 6, 13. 7, 2. विचरन्मह्यम् 8, 16. वनं तच्च व्यचरन् समततः MBH. 1,  
3931. कथं प्रून्यमिमं देशमेकाको विचरिष्यति 3, 1575. त्रिशङ्कुचरितामा-  
शमगस्त्यो विचरिष्यति HARIV. 4010. विचरिष्यति लोकास्त्रीन् R. 1, 47, 9.  
SUND. 4, 24. नगराणि च राष्ट्राणि सरितश्च महोगिरीन् । आश्रमान् R. 1,  
51, 22. 2, 31, 4. 3, 23, 44. 24, 7. MBH. 113. RAGH. 2, 8. व्यचरत्पूतनाम्  
MBH. 7, 495. विचोर्णानि वनानि MBH. 3, 11432. R. 3, 73, 25. — 6) *stehen  
in, sich befinden* (von Gestirnen): प्रात्रपत्ये — विचरन् (भौमः) VARAH.  
BRH. S. 6, 11. 9, 14. 39 (38), 14. — 7) *verfahren, auftreten, zu Werke ge-  
hen*: नाकुमेवं चरे लोके यथा त्वमभिमन्यते । अत्यक्तोर्विचरे तच्च कृच्छ्र-  
गतं मया ॥ MBH. 1, 8442. न गर्वमासाद्य स्वप्रभुतया विचरणीयम् PANKAT.  
26, 3. — 8) *leben, sein Leben zubringen*: वेशवावुद्धिसाह्यमाचारन्वि-  
चरेदिह M. 4, 18. अध्यात्मरतिरासीनां निरपेक्षो निरामिषः । आत्मनैव  
सह्येन सुखार्थी विचरेदिह ॥ 6, 49, 52. तस्माच्च नर्तनः पार्थ स्त्रीमध्ये मान-  
वर्जितः । अयुमानिति विख्यातः षण्णवद्विचरिष्यति ॥ MBH. 3, 1866. ते-  
षां मध्ये विचरन् PANKAT. 68, 25. — 9) *mit Jmd (instr.) Umgang pflegen*:  
येनाग्रे विचर्य कृ BHAG. P. 4, 28, 52. — 10) *ausschweifen*: यन्मे माता प्र-  
लुलुभे विचरत्यपतिप्रता ÇAKH. GRH. 3, 13 = M. 9, 20. ein Versehen  
machen: व्यचरद्वाचा व्यचरार् गृणन्दिनः BHAG. P. 9, 1, 15. — 11) *üben,  
vollführen, vollbringen*: मृगयां व्यचरन् MBH. 3, 12654. पुष्टे विचरेतुः R.  
6, 79, 59. राघवे — विषं निस्वाह्निज्ञातो विचरिष्यति 2, 43, 2. प्रायश्चि-  
त्तेन — विचोर्णो PANKAT. I, 307. स तेन (निस्त्रिंशेन) विचरन्मार्गानेकः *sich  
Wege bahnen* HARIV. 10147. धातुमुद्गातमाविद्धमाप्नुतं विद्वतं पुत्रम् । इति  
प्रकारान्धात्रिंशद्विचरन् 10148. — *caus.* 1) *laufen —, herumstreichen  
lassen*: ततो विचार्य बहुशो रथमार्गेषु तान्कृपान् । अनेदयत्समे देशे ARG.  
6, 17. (चारान्) उद्यानेषु विचरेषु u. s. w. विचारयेत् MBH. 1, 5605. वि-  
चार्य स ततो दृष्टिं कानने R. 4, 13, 44. बुद्धिरत्र विचार्यताम् *den Geist  
herum gehen lassen* so v. a. *nachdenken* 1, 41, 9. — 2) *ausschweifen  
lassen, verführen*: पुरो विचार्य मेहेन ऋषिपत्नौ शतक्रतुः । धर्षयित्वा मु-  
नेः शापात्तत्रैव विफलः कृतः ॥ R. 1, 49, 6. — 3) *in Gedanken hin und  
her gehen lassen, erwägen, gegen einander abwägen, in Betracht zie-  
hen, prüfen, nachdenken*: आपतिं सर्वकार्याणां तदात्वं च विचारयेत् M.  
7, 178. विचार्य तस्य वा वृत्तम् 8, 787. 401. मित्रमित्रं विचारयेत् MBH. 12,  
3826. परेषामात्मनश्चैव यो विचार्य बलावलम् PANKAT. III, 87. पतद्वयं भा-  
ष्ये विचारितम् KAJI. zu P. 7, 1, 30. MBH. 1, 4370. 12, 11954. BENF. Chr.  
13, 6. P. 8, 2, 97. BHART. 1, 18. PANKAT. 191, 10. GAUDAP. zu SANKHJAK.  
69. सुविचार्य MED. Anh. 3. 4. Ohne obj. व्यचोचरम् DAÇAK. 103, ult. श-  
क्र आस्ते विचारयन् *hin und her denkend* MBH. 5, 253. ÇAK. 66, 13. वि-  
चार्यताम् MRKSH. 149, 22. विचार्य पुनः पुनः N. 3, 15. 10, 13. 19, 28. ÇAK.  
71, 8. PANKAT. 30, 12. 128, 17. HIT. I, 143. सुविचार्य पत्कृतम् *was man  
nach reiflicher Ueberlegung thut* 19. विचार्य बुद्ध्या R. 3, 13, 31. 49, 16.  
मनसा 42, 29. अविचारितं कर्म न कर्तव्यम् HIT. 12, 16. — 4) *in Zweifel*

*ziehen, Bedenken tragen, mit der Entscheidung zögern*: अत्यं पदं वि-  
चार्यते UPAL. 9, 15. तत्र दण्डो ऽविचारितः *keinem Bedenken unterliegend*  
M. 8, 295. इत्येतदविचारितम् MBH. 14, 1344. न रामगमने — विचारयितु-  
मर्हसि R. 1, 23, 19. किं विचार्यते *was bedenkt man sich lange?* HARIV.  
3818. न खलु किंचिद्विचारितमनया MĀLAV. 49, 9. मा विचारय *bedenke  
dich nicht lange* MBH. 1, 763. 6668. SĀV. 3, 107. R. 5, 33, 25. अविचारयन्  
(stets am Ende eines Halbverses) *ohne sich zu bedenken* M. 3, 114. 7, 212.  
8, 283 u. s. w. R. 4, 8, 40. 5, 3, 67. विचारित n. das Bedenken: तत एत-  
द्विचारितम् SĀV. 3, 13. किं विचारितेः MRKSH. 9, 5. अविचारितम् *adv. ohne  
Bedenken* SĀV. 1, 35. HARIV. 3833. R. 2, 76, 11. PANKAT. 173, 23. HIT. 40,  
9. — 5) *herausbringen, dahinterkommen, feststellen*: दृष्ट्वा चैनं न विचार-  
याम्यहं गन्धर्वराज्ञो यदि वा पुरंदरः MBH. 4, 235. विचार्यताम् यदि काचि-  
दापन्नसत्त्वा तस्य भार्यासु स्यात् ÇAK. 90, 21. स नाप्रेति फलं तस्य परत्रेति  
विचारितम् *dieses steht fest, ist ausgemacht* M. 11, 28. विचारित = विन्न.  
वित्त AK. 3, 2, 49. H. 1473. — Vgl. विचार u. s. w.

— अनुवि 1) *durchhinschreiten*: उरूगायमभयं तस्य ता अनु गावो मर्त्य-  
स्य वि चरन्ति यज्वनः RV. 6, 28, 4. तद्गुरुमनुविचरन् DAÇAK. in BENF. Chr.  
201, 13. — 2) *hingehen zu*: वि पू चरे स्वधा अनु कृष्टीनामन्वाहुर्वः RV.  
8, 32, 19.

— अभिवि *herbeikommen zu, med.*: अग्नींश्च यज्ञं वि चरन्त पूर्वीः RV.  
3, 4, 5.

— परिवि *ringsum ausströmen*: परि त्रिततुं विचरन्तमुत्सम् RV. 10,  
30, 9.

— प्रवि 1) *vorschreiten, vorwärts gehen*: महाबलास्ते कुपिताः परस्परं  
निपूयतः प्रविचेरुरेतासा MBH. 7, 1451. पयेष्टं स्वच्छन्दः प्रविचरति मतो  
गज इव HIT. II, 135. — 2) *herumstreichen, umhergehen*: श्रुत्कामिव साध-  
यतो मधुकरपुरुषाः प्रविचरन्ति MRKSH. 107, 6. — 3) *durchschreiten, durch-  
gehen, durchwandern*: स मध्ये प्राप्य सैन्यानां सर्वाः प्रविचरन्दिशः MBH.  
7, 644. 908. निर्जनानसकृयस्त्वं देशान्प्रविचरिष्यसि 10, 732. — *caus. genau  
erwägen, — untersuchen*: मुहुरितैरसकृद्विचारितं स्वयं च बुद्ध्या प्र-  
विचारिताश्रयम् । करोति कार्यं खलु यः स बुद्धिमान् PANKAT. III, 116.

— अनुसंवि *der Reihe nach durchwandern, — besuchen*: तीर्थान्यनुसं-  
विचेरुः MBH. 3, 10288.

— सम् 1) *zusammenkommen*: संचरद्दधरं Gtr. 2, 2. — 2) *herbeikom-  
men, gelangen zu, sich einstellen, hinstreben*: अग्निर्दतो अग्निः संचरति  
AV. 3, 4, 3. संचरन्तश्चरन्ति यं (अग्निं) संचरन्तः संचरन्तः RV. 5, 9, 2. अ-  
स्मे रायः संचरन्तु 4, 8, 7. अग्निमच्छा देवयतो मनांसि चतुर्षीव सूर्यं संचरन्ति  
5, 1, 4. — 3) *gehen, wandern, sich ergehen, herumstreichen*: (पन्थानः) यैः  
संचरन्त्यभयं भद्रपायाः AV. 12, 1, 47. क्वचित्पथा संचरते सुराणां क्वचिद्वता-  
नां पततो क्वचिच्च (विमानम्) RAGH. 13, 19. विपुत्रपे अरुन्तो संचरते RV.  
1, 23, 7. प्राणो यः संचरन्त्यासंचरन्श्च ÇAT. BR. 14, 4, 3, 29. 32. ÇVETĀCV. Up. 3,  
7. उपर्युपरि संचरन्तः *darüber gehend* KHAND. Up. 8, 3, 2. दिवि संचरमा-  
णानि — ज्योतीषि MBH. 12, 6669. नैव वाताः प्रवायन्ते न मेघाः संचरन्ति च  
es ziehen keine Wolken auf HARIV. 10738. कलकंसः PANKAT. I, 333. संचरन्ती  
वने MBH. 1, 3932. BHART. 1, 85. राजमार्गो हि प्रून्यो ऽयं रतिणाः संचरन्ति  
MRKSH. 26, 7. वने व्याधाः HIT. 39, 4. KATHAS. 11, 48. BHAG. P. 3, 13, 29.  
VET. 3, 5. देवकार्यनिमित्तं च यया संचरमाणया । दशरात्रं कृता रात्रिः R. 3,  
2, 12. अधानम् TBH. 1, 3, 12, 5. पद्मो नृपः संचरमाणः NAISS. 6, 57. अश्वेन.